آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com

٧٨٦/٩٢

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مع اسم اللہ الملک السلم

م ح م د ﷺ

ح م د م ﷺ

م د م ح ﷺ

د م ح م ﷺ

اس نقش کو دیکھنے والے کی ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्कूत़

अस्सलामुल्मुह़म्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्तति

सलामे मोह़म्मदी चहल मीम ग़ैर मन्कूत़ 16

पेशकश

बमौक़ा जुमादीसानी 1438हि0

बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन

व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात

मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضي الله عنهم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्ह़म्दु लिल्लाहि मौलाई हुवल्लाहु इलाहुम्मालिकुल मुल्कि ला इलाह इल्लल्लाहु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि अल्लाहुम्मल वाह़िदु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि व सल्लिम दाइमन अ़ला मौलाई सिर्रि उ़लूमिकस्सर्मदीयि व सिर्रि ह़ि क मिकद्दाइमीयि व हादिल उममि लिकुल्लिल आ़लमि व मुह़किमि मदह़ि क व हु व कमालु ह़म्दि क मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व स़ा र वालिदुहू औ रअ़ल वालिदि वउम्मुहू औ रअ़ल उम्मि वआलुहू औ रअ़ल आलि व अ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही व कुल्लि उममि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि ।

मुराद: अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। सारा ह़म्द अल्लाह के लिए है हमारा मौला वह अल्लाह है कि इलाह है सारे मुल्कों का मालिक है, वाह़िद अल्लाह ही इलाह है मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है ऐ हमारे अल्लाह वही वाह़िद है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है दाइमी दुरूदो सलाम हमारे मौला अल्लाह के सर्मदी सिर्रे उ़लूम के लिए हो और अल्लाह के दाइमी सिर्रे ह़िकम के लिए हो और सारे आ़लम की उमम के हादी के लिए हो और अल्लाह की मदह़ सराई वाले के लिए हो, और वह अल्लाह का कमाले ह़म्द मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद कमाल व रअ़ वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम ।

तौज़ीह़ी तर्जमाः– अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है

सलामती देने वाला है तमाम तअ़रीफ़ अल्लाह के लिए है मेरा मौला वह अल्लाह है जो मअ़बूद है सारे मुल्कों का बादशाह है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं ऐ हमारे अल्लाह तू यक्ता है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू भेज ख़ूब ख़ूब दाइमी दुरूदो सलाम मेरे मौला तेरे सर्मदी इ़ल्मों के राज़ पर और तेरे दाइमी ह़िक्मतों के राज़ पर और सारे आ़लम के उम्मतियों को हिदायत देने वाले पर और तेरी तअ़रीफ़ ब्यान करने वाले पर और वह तेरी कामिल तअ़रीफ़ मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद(सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रद़ियल्लाहु अ़न्हु) तमाम वालिद में सब से ज़्यादा परहेज़गार हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रद़ियल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सब से ज़्यादा परहेज़गार हैं और जिनकी आलो औलाद तमाम आलो औलाद में सब से ज़्यादा परहेज़गार हैं और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा रद़ियल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के

मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूह़ानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम ।

फ़ज़ीलत सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्कूत़

यह "सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहल मीम" जो कि ४० मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्कूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीह़ी तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना १००/११/५ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी और उस पर इ़ल्मो ह़िक्मत के दरवाज़े खोल दिए जाएंगे और उस की हर ह़ाजत पूरी होगी वह हर दुश्मन और हर ह़ासिद से मह़फ़ूज़ होजाएगा और ज़ुम्रए सुल्ह़ा में उस का शुमार होगा नीज़ उसे अहले बैत की शफ़्क़तो मोह़ब्बत ह़ासिल होगी और उनका दीदार नस़ीब होगा ईमान पर ख़ातेमा होगा । इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

नोटः– आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضي الله عنهم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम"वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं। Mo. 9695435877